[illegible] नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ कार्त्तिके [illegible]
पञ्चविधिः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वीरेश करं भद्रभद्र छिग स्उं यवश्च ऽ॥ स्व
वर्मस्व · यन्तु रामेनि · सुदृष्टयस्थम · भन्तु
धर्यं भिमम · भद्रकुपश्चभन्तु · सूर्यसुन्नुलक्ष्मी ·
येनेदेवमन्त्रे ऽइत्यादि भद्रयन्नमेवत्न्हेनमः॥
ऽऽः कुलमव । श्वमेरत्र ० भन्तुस्व सुगा ७ स्व
पाममेमं ३ भत्रेत्वबहम ६ ऽमेमापित्र ४ स्व
स्त्रिवम ३ ऽश्विरेल ९ मेमेरलना ५ दृजिन
भुत्र वजपाल ० · श्वधहृत्रभनु येनऽकृधि ०७
दुमेमपिदृष्टिः ०३ सेधाभद्र हंसंतेमेव ०८
वत्रः मेमेविस्व तेवयेपा : ०५ यन्तु रामानि ०७॥
कुर्धं सिन्द्रेत्न कर्मत्रनं ऽ उि श्वेतु समि्ठः भनस्व
तेनपुलायेत्रा भद्रभद्रमूसीक्षः ०७ । नथिम
भद्रित्र्य · धन्ङ्गीकश्च यनमः भद्रिमा भद्रित्र
य मन्मेयस्यनमः । वेदमन्त्रभुयं येनेदेवमन्त्रे ।
न्नमिभीशं ऽइत्यादि · । ऽऽः ऽकृपवत्र स्कृणुत्र
यज्ञंमुहूर्त भपथकं भाविश्चिं · । गासधत्रयंऽति ·
कांत्रिके नथिम भद्रित्र्यधन्ङ्गीकश्चय भ
द्रिमा भद्रित्र्य मन्मेयाय · वध्रमेवाय · स्व
त्रय ३ तेंनभसुस्वभसे त्वभाऽकलापत्रिल

क. ५ ०

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ग) अथ वर्णा वाच्यमेव: सोम: तथैव [illegible] महापापपतिः
वाच्यमा: श्रियः १ प्रधा २ यमः ३ स्वप्नमा ४ प्रीतिः ५
तुष्टिकरी ६ धृतिः ७ वाञ्छिकरी ८ सोमी ९ मरीचिः १०
अंशुमालिनी ११ शशिनी १२ भोगिनी १३ लक्ष्मी १४
कश्यपः अमृतभरा कला प्रिया १५ अमृता
पूर्णा १६ ॥ [illegible] मधिपतिः [illegible] १ [illegible] मधिपतिः
[illegible] अधिपतिः २ [illegible] ३ [illegible]
निशाकरः ४ [illegible] ५ [illegible]
[illegible] ६ [illegible] ७ [illegible]
[illegible] ८ [illegible] ९ [illegible]
[illegible] १० [illegible]
[illegible] कलानिधिः ११ [illegible]
[illegible] १२ [illegible] १३ [illegible]
[illegible] १४ [illegible]
[illegible] १५ ॥ कार्त्तिके [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कला [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कलानिधिः [illegible]
[illegible] ॥ कार्त्तिके [illegible]

प्रीयतां प्रीतः अस्तु ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

त्रकमण्य, वसुप्रनानाय, उमयाभूयं, सु
निहृण्य, निहृण्य रोहिण्णीभक्तिरुण्यमनुभ
मे भद्रोनभः भर्धंनभः ॥ भाणमिराभक्ति
उण्यमसमाकूण्युत्रि ०७॥ भूषकुलिक
मल्लभद्रः ॥ ॐ ह्रीं सूीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं कूं कूं भं
भूपत्रुयेभचविस्त्रभुण्येन कडवभचंउ
लेप्रिङ्लणभकह्रींभः भः भुरेहभ
भुरंवचयवचयभुह्रै वलः ५० ६
उमनूभड्रः ॥ उनभद्रभूवभमल्ले, ॐलं
पूंभग्रीधेभाभूयाण्यमसमाकूण्यकूंनभः ०
ॐ भग्रीभूप्रिवेभाभूयाण्यकीनण्यकूं
कूणभूह्रै ९ ॐमसमाकूसोपरकला
यंकूंतव्यूह्रै ३ उडेमल्लधकू ॥ ॐ ह्रीं
भरण्यनभः ० ॐ पूंणपरल्लीभडाण्य रंभ
रेभूचाण्यनभः ३ ॐ ह्रूं भपूण्यनभः ३
ॐ भुल्लीचाण्यनभः ४ ॐ ह्रींह्रुभड
कृ यनभः ५ ॐ भेः भेगण्यनभः ७
१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कार्तिकं करि पुण्य मुत्तः अनन्त ... नन्दन श्री ... जन्म ... ण ... याप क
त भों भत्त भव ... र भोनी अन्यान्य ... डी ... डि ... इ ... व श्री ... ना: कार्तिक
भ नि ... न ... विविध मया ... कं ... भयान्तं ... नि ... मन निहन्ते भितु
कं ... कार्तिके ... मिते ... कं ... भयान्तं ... याम किं ... ॥